हिन्दी साप्ताहिक

न्यूज आइकॉन

T.C. NO. MAHHIN10172

संपादक - मुर्तुजा मामाजीवाला | ईमेल: newsicon2021@gmail.com | मूल्य: रु. - 2/-

वर्ष: 1 | अंक: 42 | पृष्ठ: 8 | शुक्रवार 25 फरवरी से 03 मार्च 2022

रूसी हमले से दुनिया की अर्थव्यवस्था धड़ाम, PM मोदी करेंगे बैठक

नई दिल्ली: यूक्रेन अब कीव समेत कई एयरपोर्ट खाली कराने में जुटा है। रूस ने यूक्रेन के कई शहरों पर मिसाइल दागे हैं। यह बात यूक्रेन के विदेश मंत्री ने भी स्वीकार की है। रूस के हमले के ऐलान के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने एक बार फिर कहा है कि यूएस और अन्य सहयोगी शांत नहीं बैठेंगे और पुतिन के इस कदम का जवाब दिया जाएगा। उधर पुतिन ने कहा कि यह मिलिट्री ऑपरेशन उनके देश की रक्षा के लिए चलाया जा रहा है। भारत में भी एक उच्चस्तरीय बैठक चल रही है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने कहा कि रूस ने यूक्रेन पर अभी तक 30 से ज्यादा हमले कर दिए हैं। रूस का हमला नाजी जर्मनी की तरह है। रूसी सैनिकों ने यूक्रेन के नागरिक और सैन्य यूक्रेन के ओडेसा इलाके के पास रूसी

सैनिक घुस आए हैं। एएफपी समाचार एजेंसी के मुताबिक, यहां रूसी हमले में 18 लोगों की मौत की खबर है। नाटो के सचिव जनरल ने कहा कि यूक्रेन के साथ एकजुटता से खड़ा है। नाटो सहयोगी यूक्रेन पर लापरवाह आक्रमण के लिए रूस पर गंभीर प्रतिबंध लगाने जा रहा है। पूरी दुनिया में यूरोपीय संघ और अन्य भागीदारों के साथ निकट समन्वय में नाटो सहयोगी अब रूस पर गंभीर आर्थिक प्रतिबंध लगा रहे हैं।रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हमारी सरकार छात्रों सहित अपने नागरिकों को वापस लाने के लिए सभी उपाय कर रही है।

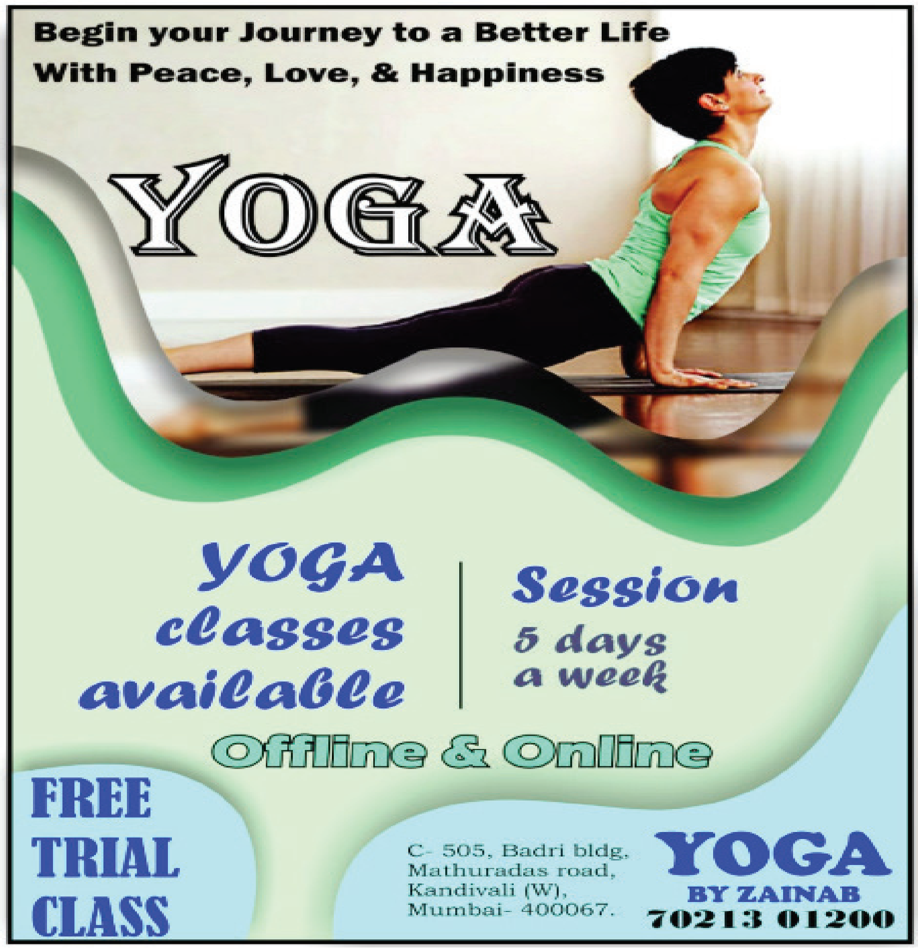

दाऊद के मददगार को बचाने के लिए खड़ी है महाराष्ट्र सरकार; नवाब मलिक की गिरफ्तरी पर बोले देवेंद्र फडणवीस

मुंबई. महाराष्ट्र सरकार में मंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी नेता नवाब मलिक की गिरफ्तारी पर राजनीति तेज हो गई है। एक तरफ उद्धव सरकार नवाब मलिक के पीछे खड़ी हो गई है तो दूसरी विपक्षी पार्टी बीजेपी ने मंत्री पद से इस्तीफा मांगा है। इस बीच राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और बीजेपी नेता देवेंद्र फडणवीस ने भी उद्धव सरकार पर निशाना साधा है। देवेंद्र फडणवीस ने कहा दाऊद जैसे देश के दुश्मन को मदद जिसके माध्यम से हुई उसको बचाने के लिए और उनका मंत्री पद बचाने के लिए पूरी महाराष्ट्र सरकार उनके पीछे खड़ी है, इसका देश को जवाब इस सरकार को देना पड़ेगा। अगर राजनेता अंडरवर्ल्ड के सीधे संपर्क में होंगे तो ईडी को इस तरह की जांच करनी होगी। सभी राजनीतिक दलों को इसका समर्थन करना चाहिए देवेंद्र फडणवीस ने आगे कहा कि महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक ने अंडरवर्ल्ड की मदद से करोड़ों की जमीन खरीदी। इस मामले में विस्तृत जांच के बाद ईडी की अदालत ने उन्हें 3 मार्च तक प्रवर्तन निदेशलय में भेज दिया है। ईडी ने महाराष्ट्र के अल्पसंख्यक कार्य मंत्री नवाब मलिक को बुधवार को भगोड़े गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम और उसके सहयोगियों से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के सिलसिले में गिरफ्तार किया।

मलिक (62) को दक्षिण मुंबई के बलार्ड एस्टेट इलाके में ईडी के दफ्तर में सुबह आठ बजे से करीब पांच घंटे तक पूछताछ किए जाने के बाद हिरासत में ले लिया गया। इसके बाद मलिक को विशेष अदालत में पेश किया गया जहां से अदालत ने उनको 3 मार्च तक ईडी की हिरासत में भेज दिया। वहीं, के वरिष्ठ नेता और महाराष्ट्र सरकार में मंत्री छगन भुजबल ने बुधवार की शाम कहा कि कैबिनेट मंत्री नवाब मलिक के इस्तीफे का कोई सवाल ही नहीं उठता, क्योंकि उन्होंने कोई गलती नहीं की है।

3 मार्च तक ED की रिमांड में नवाब मलिक

मुंबई. महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक को मनी लॉन्ड्रिंग के केस में 3 मार्च तक के लिए ईडी की हिरासत में भेज दिया गया है. मलिक को बुधवार को ईडी के अधिकारियों ने पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया था. गिरफ्तार किए जाने के बाद मंत्री नवाब मलिक के आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर पोस्ट किया गया, न डरेंगे और न झुकेंगे. 2024 के लिए तैयार रहिए. कुछ देर बाद एक और ट्वीट में लिखा गया, कुछ ही देर की खामोशी है फिर शोर आएगाङ्ख तुम्हारा तो सिर्फ वक़्त है हमारा दौर आएगा !! वहीं इससे पहले मलिक की गिरफ्तारी के बाद पैदा हुई स्थिति पर चर्चा करने के लिए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के कुछ मंत्रियों ने बुधवार शाम यहां पार्टी प्रमुख शरद पवार के आवास पर बैठक की. राकांपा सूत्रों ने बताया कि महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजीत पवार, मंत्री छगन भुजबल, हसन मुशरिफ और राजेश टोपे बैठक के लिए दक्षिण मुंबई में शरद पवार के आवास सिल्वर ओक में उपस्थित थे.

मुंबई में 8 दिन में लागू हो हॉकर पॉलिसी, BMC चुनाव से पहले बीजेपी नेता की मेयर को चेतावनी

मुंबई. बीएमसी चुनाव से पहले बीजेपी महाविकास अघाड़ी सरकार पर आक्रामक हो गई है. बीजेपी ने बीएमसी में सत्ता पर काबिज शिवसेना को हॉकर पॉलिसी लागू न करने पर आड़े हाथों लिया है. बीजेपी नेता राजहंस सिंह ने मेयर को चिट्ठी लिखकर चेतावनी दी है. उन्होंने कहा है कि 2014 में केंद्र सरकार ने हॉकर पॉलिसी लागू करने के लिए मान्यता दे दी थी, लेकिन फिर भी बीएमसी ने आज तक उसे लागू नहीं किया है. बीजेपी नेता ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार ने 2016-17 में हॉकर पॉलिसी लागू करने को लेकर ढांचा भी बनाया था. साथ ही इसे लागू करने की मान्यता भी दी थी. बीजेपी (इखढ) नेता ने आरोप लगाया कि बीएमसी ने आज तक उस पॉलिसी को लागू नहीं किया. उन्होंने कहा कि महाविकास अघाड़ी सरकार गरीब उत्तर भारतीयों पर अन्याय कर रही है. बीजेपी नेता राजहंस सिंह ने कहा कि हॉकर पॉलिसी का इंतजार कर रहे लोगों के साथ अन्याय किया जा रहा है. बीजेपी नेता राजहंस सिंह ने कहा कि 2014 में बीएमसी ने 1,28,443 फेरीवालों पर एक सर्वे किया था. जिसके बाद 24 वार्ड से 99435 लोगों के आवेदन आए थे. बीएमसी ने आवेदनों की छटनी के लिए एक कमेटी का गठन किया थाबीजेपी नेता ने कहा कि कमेटी ने कागजों की पूर्ति के लिए 15361आवेदनों को मंजूर कर सर्टिफिकेट देने का वादा किया था. इस कमेटी ने मुंबई के 30 हजार स्पॉट फेरीवालों के लिए 400 रास्ते तय किए थे, लेकिन अभी तक उसे लागू ही नहीं किया हैं. बीजेपी नेता ने बीएमसी पर मुंबई के लोगों की आंख में धूल झोंकने का आरोप लगाया. उन्होंने कहा कि सभी 15 आवेदन पुराने हैं, बीएमसी इसे लागू करने में जानबूझकर देरी कर रही है. राजहंस ने ये भी आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य में अब तो शिवसेना की सरकार है. फिर भी हॉकल पॉलिसी लागू नहीं की जा रही है. शिवसेना पर हमलावर बीजेपी नेता ने कहा कि ऐसा लगता है कि बीएमसी अधिकारी और बीएमसी चलाने वाले मिलकर पॉलिसी लागू नहीं करना चाहते हैं.

नवाब मलिक की बेटी ने कहा-मेरे पिता निडर होकर बोलते हैं, इसलिए ईडी और एनसीबी हमारे पीछे है

मुंबईः नवाब मलिक की बेटी नीलोफर मलिक ने रविवार को कहा कि मेरे पिता निडर होकर बोलते हैं, इसलिए ईडी और एनसीबी हमारे पीछे हैं। मुझे यकीन है कि मेरे पिता बाहर आएंगे, यह न्यायिक लड़ाई है और हम लड़ेंगे। ईडी ने भगोड़े अंडरवर्ल्ड सरगना दाऊद इब्राहिम, उसके सहयोगियों और मुंबई अंडरवर्ल्ड की गतिविधियों से जुड़ी मनी लांड्रिंग जांच के मामले में बुधवार को राकांपा नेता और महाराष्ट्र के अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री नवाब मलिक को गिरफ्तार किया था। बाद में उन्हें अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें तीन मार्च तक ईडी की हिरासत में भेज दिया गया। पद पर रहते हुए गिरफ्तार होने वाले वह महाराष्ट्र के पहले कैबिनेट मंत्री हैं। पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख को पद से इस्तीफा देने के बाद गिरफ्तार किया गया था।अधिकारियों के

मुताबिक, 62 वर्षीय मलिक को सुबह करीब आठ बजे पूछताछ के लिए दक्षिण मुंबई स्थित ईडी कार्यालय में लाया गया था, करीब छह घंटे चली पूछताछ के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और स्थानीय पुलिस की सुरक्षा में ईडी अधिकारियों द्वारा मेडिकल चेकअप के लिए ले जाए जाने के पहले मलिक ने मीडिया के समक्ष मुस्कराकर मुट्ठी बांधी, हाथ हिलाया और वाहन के अंदर से ही कहा कि हम लड़ेंगे, जीतेंगे और सभी को बेनकाब करेंगे।

अधिकारियों का कहना है कि उनका बयान प्रिवेंशन आफ मनी लांड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत दर्ज किया गया है। उन्हें इसी के प्रविधानों के तहत गिरफ्तार किया गया है, क्योंकि वह जवाब देने से बच रहे थे। मुंबई में विस्फोटों के दोषियों के साथ कुछ संपत्तियों के सौदों में मलिक के कथित लिंक पर केंद्रीय जांच एजेंसी की नजर थी और इसीलिए उनसे पूछताछ जरूरी हो गई थी।मलिक की पार्टी और राकांपा नेताओं ने आरोप लगाया कि ईडी के अधिकारी सुबह छह बजे ही उन्हें उनके घर से अपने साथ ले गए थे।

बच्चन परिवार को कोर्ट से राहत

बाम्बे HC ने BMC को दंडात्मक कार्रवाई करने से रोका

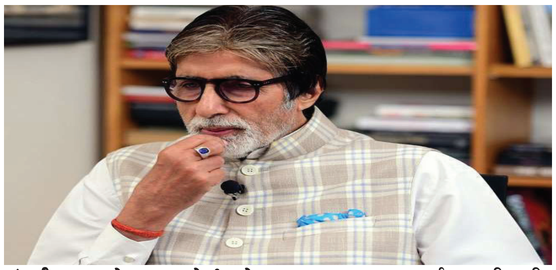

मुंबई। बाम्बे हाइकोर्ट ने बीएमसी को निर्देश दिया है कि जुहू में अमिताभ बच्चन की संपत्ति के एक हिस्से को पास की सड़क चौड़ीकरण के लिए अधिग्रहण करने के उनके नोटिस पर कोई दंडात्मक कार्रवाई न करें। इसके लिए कोर्ट ने बच्चन परिवार को दो सप्ताह के अंदर बीएमसी को एक अभ्यावेदन दाखिल करने के लिए कहा है और बीएमसी को छह सप्ताह में प्रतिनिधित्व पर विचार करने के लिए का आदेश दिया है।गौरतलब है कि अमिताभ बच्चन और उनकी पत्नी जया दोनों ने उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाकर प्रार्थना की थी कि बीएमसी द्वारा उन्हें जारी किए गए नोटिस को रद कर दिया जाए। उन्होंने बीएमसी अधिकारियों को नोटिस लागू करने या कोई कार्रवाई करने से रोकने के लिए भी प्रार्थना की थी। बीएमसी ने बच्चन परिवार को 20 अप्रैल, 2017 को दो नोटिस जारी किए थे, जिसमें कहा गया था कि उनकी आवासीय संपत्ति के पास के भूखंडों के कुछ हिस्से सड़क की जमीन पर आ रहे हैं ऐसे में बीएमसी इस हिस्से में बनी दीवार और निर्माण की जमीन पर कब्जा करना चाहती है।

संजय राउत बोले-नवाब मलिक का इस्तीफा नहीं लिया जाएगा, जंग अभी शुरू हुई है

मुंबई। दाऊद इब्राहिम मनी लांड्रिंग मामले में एनसीपी नेता व महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक की गिरफ्तारी के बाद भाजपा मलिक के इस्तीफे की मांग कर रही है। वहीं, शिवसेना ने कहा कि मलिक से इस्तीफा नहीं लिया जाएगा। शिवसेना नेता संजय राउत ने बुधवार को ट्वीट में लिखा कि नवाब मलिक का इस्तीफा नहीं लिया जाएगा। दाऊद इब्राहिम मनी लांड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नवाब मलिक को गिरफ्तार किया है। नवाब मलिक से पहले महाराष्ट्र के गृह मंत्री अनिल देशमुख की भी मनी लांड्रिंग के मामले में गिरफ्तारी हो चुकी है। गिरफ्तारी के बाद भारी दवाब के चलते अनिल देशमुख से इस्तीफा ले लिया गया था। भाजपा का कहना है कि अभी इस मामले में महाराष्ट्र के कुछ और मंत्रियों की भी गिरफ्तारी हो सकती है।एक अन्य ट्वीट में संजय राउत ने लिखा कि महाविकास अघाडी से आमने-सामने नहीं लड़ सकते, इसलिए पीछे से अफजलखानी युद्ध चल रहा है, चलने दो। अगर किसी मंत्री को कपट से अंदर कर आनंदित हो रहे हैं, तो होने दो। नवाब से इस्तीफा न ले, लड़ते रहें और जीतें। कंस और रावण भी मारे गए। यही हिंदुत्व है। जंग अभी शुरू हुई है। जय महाराष्ट्र इससे पहले महाराष्ट्र सरकार में राकांपा

की सहयोगी शिवसेना के नेता संजय राउत ने नवाब मलिक पर ईडी की कार्रवाई पर कहा कि मुझे लगता है कि यह महाराष्ट्र सरकार को चुनौती है, वे (केंद्रीय एजेंसियां) जांच करने के लिए स्वतंत्र हैं। पुराने मुद्दे उखाड़े जा रहे हैं, लेकिन आपको याद रखना चाहिए कि 2024 के बाद आपकी भी जांच होगी। इस बीच, नवाब मलिक की पार्टी और राकांपा नेताओं ने आरोप लगाया कि ईडी के अधिकारी सुबह छह बजे ही उन्हें उनके घर से अपने साथ ले गए थे। मलिक के कार्यालय ने ट्वीट कर बताया कि उनके साथ उनके वकील बेटे आमिर मलिक भी साथ गए थे। एक अन्य ट्वीट में कहा कि ह्वन डरेंगे न झुकेंगे। 2024 के लिए तैयार रहिए। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री छगन भुजबल ने कहा कि नवाब मलिक को ईडी ने गलत तरह से गिरफ्तार किया है। कोर्ट में कई साल तक 1992 बम धमाका मामला चला, जिसमें बहुत लोगों को फांसी और सजा हुई थी। उस मामले में नवाब मलिक का नाम कहीं नहीं आया था। इसके विरोध में वीरवार को मंत्रालय के पास स्थित गांधी जी के पुतले के पास हमारे मंत्री और परसों हमारे कार्यकर्ता पूरे तालुका में प्रदर्शन करेंगे। नवाब मलिक ने कुछ गलत नहीं किया है, इसलिए उनका इस्तीफा नहीं लिया जाएगा। एमवीए की सरकार गिराने के लिए केंद्र सरकार ऐसी हरकतें कर रही है।

संपादक

संपादकः मुर्तुजा मामाजीवाला

जर्जर तिपाई पर हमारा लोकतंत्र

उत्तर भारत के कम से कम तीन शहर ऐसे हैं, जो मुझे एक-दूसरे के सहोदर लगते हैं- अमृतसर, मथुरा और वाराणसी। तीनों ही शहरों में पुरानापन है, धार्मिकता है। परंपरा और आधुनिकता का द्वैत है, तो तलछट में छिपी कुछ तल्ख सच्चाइयां भी हैं। वृंदावन की माओं की कुछ कहानियां आपको पिछले एक लेख में सुना चुका हूं। अब यह क्रूर परंपरा शिथिल हो चली है, फिर भी उसके अवशेष इन माओं की झुर्रियों में किसी महागाथा की भांति छिपे हुए हैं। एक जमाने में चलन था कि विधवा होते ही महिलाओं को काशी अथवा मथुरा भेज दिया जाता था। उन्हें आम औरतों की तरह जीने की आजादी नहीं होती। एक ह्यमांह्न ने बताया कि पचास साल पहले जब मैं वृंदावन आई थी, तब कोई सहारा न था। सुबह साढे.तीन बजे उठकर नहाती-धोती और मंदिरों में भजन गाती। वहां सुबह का खाना हो जाता और कुछ पैसे मिल जाते। हर रोज शाम का भोजन एक समूचा पहाड़ चढ़ने और उतरने की चुनौती की तरह होता। स्वयंसेवी संस्थाओं और सुप्रीम कोर्ट की कृपा से इनकी जिंदगी की दुश्वारियां कुछ कम हुई हैं, पर कुछ लोगों की बदहाली कभी जाती नहीं। ये माएं उसी अभागी रवायत की अगली कड़ी हैं। इस सवाल से जूझता हुआ कृष्ण जन्म-स्थान आ पहुंचा। मंदिर और मस्जिद संगीनों के साये में आबाद हैं। पुलिस और अर्द्धसैनिक बल वहां हर आने-जाने वाले पर नजर रखते हैं। ह्यपरिंदा तक पर न मार सकेह्न वाले सुरक्षा-बंदोबस्त भी विचारों के टकराव नहीं रोक सकते। यहीं मिले श्रीकृष्ण जन्मस्थान ट्रस्ट के वरिष्ठ सदस्य गोपेश्वरनाथ चतुर्वेदी और शाही मस्जिद ईदगाह कमेटी के सदस्य एडवोकेट तनवीर अहमद। हमारी यह मुलाकात शांति धर्मशाला की छत पर हुई। पीछे मंदिर का स्तूप और मस्जिद का गुंबद साथ खडे. नजर आ रहे थे। पिछले साढे.तीन सौ सालों से वे वहीं स्थिर हैं। इस दौरान न जाने कितने मौसम आए और चले गए। क्या इस बार कोई अनोखा मौसम इनके दरवाजे खटखटा रहा है? यह जानने की कोशिश इसलिए जरूरी थी, क्योंकि उत्तर प्रदेश के चुनाव में अयोध्या और काशी के बाद अब मथुरा की भी आमद दर्ज हो चुकी है। गोपेश्वरनाथ चतुर्वेदी बेहद आक्रामक थे। उन्होंने कहा कि इस मस्जिद की जमीन के मालिक हम हैं और हम ही इसको मुक्त कराएंगे। तनवीर साहब स्वभाव से संयत लगे। शायद वकालत के पेशे ने उन्हें तार्किकता सिखा दी है। वह तर्क देते रहे कि इस मस्जिद पर हमारा कानूनी हक है, पर बात सुलझी नहीं। कुछ विवाद आसानी से विदा नहीं होते। बरसों पहले 1980 के दशक में अयोध्या-आंदोलन को जब आंच दी जा रही थी, तब भी बहुत से लोगों को लगा था कि यह कोई बड़ा मुद्दा नहीं है। इस सोच का नतीजा क्या निकला, हम सब जानते हैं। मथुरा में भी अभी कोई सनसनाहट सतह पर नहीं दिखाई देती। राधा रानी आज भी मुस्लिम कारीगर के हाथ के सिले कपडे. पहनती हैं, पूजन की तमाम सामग्रियां मुस्लिम कारीगरों के हाथों से गुजरती हैं। दोनों समुदायों में बहुत कुछ साझा है। अयोध्या में आज भी ऐसा है। वहां अंगारे लाने वाले ज्यादातर लोग बाहर से आए थे। क्या मथुरा को भी ऐसे ही धीमे-धीमे सुलगाया जाएगा?

यूक्रेन संकट मामले में भारत बातचीत के जरिये मसले का हल निकालने पर दे रहा जोर

यह अच्छी बात है कि अमेरिकी राष्ट्रपति कूटनीति के जरिये यूक्रेन संकट का हल निकालने के पक्ष में हैं, लेकिन यदि वह वास्तव में ऐसा चाहते हैं तो फिर उन्हें रूस पर शर्ते थोपने के साथ ही उसकी चिंताओं का भी समाधान करना होगा। यदि रूस यूक्रेन को लेकर आक्रामक है तो इसके पीछे के कारणों को अमेरिका को उसी तरह समझना होगा, जिस तरह कई यूरोपीय देश समझते दिख रहे और बीच-बचाव की कोशिश भी कर रहे हैं। यूक्रेन संकट के मूल में अमेरिकी नेतृत्व वाले सैन्य संगठन नाटो का उन देशों में भी विस्तार है, जो एक समय रूस के नेतृत्व वाले सोवियत संघ का हिस्सा थे। जब सोवियत संघ अस्तित्व में था और अमेरिका एवं उसके बीच शीतयुद्ध चरम पर था, तब नाटो के जवाब में वारसा संधि भी थी। कायदे से वारसा संधि खत्म हो जाने के बाद नाटो को भी अपना विस्तार रोक देना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। रूस की यह चिंता जायज दिखती है कि अमेरिका नाटो के विस्तार के माध्यम से उसकी घेराबंदी कर रहा है। यूरोपीय देशों को भी इस पर ध्यान देना होगा कि जब वे अपने ऊर्जा स्नोतों के लिए रूस पर निर्भर हैं तो फिर नाटो के विस्तार में योगदान देकर मास्को की चिंता बढ़ाने में भागीदार क्यों बन रहे हैं?रूस इसकी अनदेखी नहीं कर सकता कि अमेरिका न केवल यूक्रेन को नाटो का सदस्य बनाने को तैयार है, बल्कि उसे सैन्य सामग्री भी प्रदान कर रहा है। यह विचित्र है कि जब अमेरिका अपने हितों के साथ-साथ विश्व व्यवस्था के लिए भी चीन के आक्रामक उभार को लेकर चिंतित है, तब वह रूस को घेरने में लगा हुआ है। ऐसा करके वह न केवल यूक्रेन संकट को उलझा रहा है, बल्कि रूस को चीन के पाले में धकेलने का भी काम कर रहा है। आखिर यह कैसी कूटनीति है कि जब अमेरिका को चीन पर लगाम लगाने पर ध्यान देना चाहिए, तब वह रूस के रूप में उसे एक सहयोगी उपलब्ध करा रहा है? निःसंदेह जहां अमेरिका को अपनी कूटनीति पर नए सिरे से विचार करने की जरूरत है, वहीं रूस के लिए भी यह आवश्यक है कि वह यूक्रेन के रूसी भाषी इलाकों में अलगाववादियों को उकसाने से बाज आए। वह यूक्रेन के रूसी भाषी क्रीमिया को पहले ही बलपूर्वक अपने में मिला चुका है।

महाशिवरात्रि पर बन रहा मनोकामना पूरी होने का योग, अप्रत्याशित लाभ मिलेगा

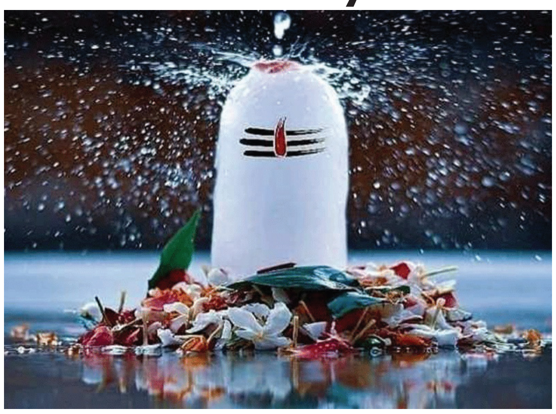

हिंदू धर्म में शिव नवरात्रि मनाने की विशेष तौर पर परंपरा है। 1 मार्च को महाशिवरात्रि है। इस दिन पांच राशि वाले बेहद किस्मत वाले रहेंगे। इन पर भगवान शिवजी की विशेष कृपा रहेगी। भगवान भोलेनाथ के आशीर्वाद से सभी मनोकामना पूरी होंगी। आइए जानते हैं किन राशियों के अच्छे दिन शुरू होंगे। महाशिवरात्रि पर यूं तो दिन भर भगवान भोले की पूजा-अर्चना की जा सकती है, लेकिन रात्रि में पूजा का विशेष महत्व है। शिवरात्रि पूजा रात में एक या चार बार की जा सकती है। पूरी रात की अवधि को चार प्रहरों में बांटा गया है। इस दिन ध्यान करने की सलाह दी जाती है और पूरे दिन में जितनी बार संभव हो ह्यओम नमः शिवायह्न का जाप करें। वृषभ राशि (ळं४१४२): वृषभ राशि के जातकों को धन की प्राप्ति हो सकती है। नजदीकी संबंधियों के साथ मुलाकात के अवसर बनेंगे। महाशिवरात्रि के दिन शिवलिंग पर घी और शमी के पत्ते चढ़ाने से लाभ होगा। मिथुन राशिः मिथुन राशिवालों के लिए महाशिवरात्रि का त्योहार खुशियां लेकर आएगा। इस दिन शुभ समाचार मिल सकता है। किसी शुभचिंतक की प्रेरणा और आशीर्वाद शुभ साबित होगा।सिंह राशि (छीङ्क): सिंह राशि वालों को अच्छा खबर प्राप्त होगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। कुछ नए संपर्क स्त्रोत बनेंगे, जो आगे फायदेमंद रहेंगे।

अमेठी में पीएम नरेन्द्र बोले

भाजपा ना तो पिता एंड संस वाली पार्टी है और ना ही होगी

अमेठी। यूपी विधानसभा चुनाव 2022 में भारतीय जनता पार्टी के स्टार प्रचारक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस के गढ़ अमेठी में भाजपा के अमेठी, सुलतानपुर तथा रायबरेली के डलमऊ के प्रत्याशियों के पक्ष में जनसभा को संबोधित किया।प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि परिवारवादी पार्टियां हमेशा संविधान का अपमान करती हैं। परिवारवादी पार्टियां हमारी युवा प्रतिभा का नुकसान करती हैं। इसके विपरीत देश में भाजपा ही ऐसी पार्टी है कि जिसका आज कोई एक अध्यक्ष होता है तो कल कोई और होता है। भाजपा पिता एंड संस की प्राइवेट पार्टी नहीं है और ना ही कभी हो सकती है। परिवारवादी राजनीति में पार्टी का अध्यक्ष परिवार का होता है, सभी महत्वपूर्ण पदों पर उसी परिवार के लोग बैठे होते हैं। महत्वपूर्ण पदों पर दावेदारी उसी परिवार के सदस्यों की होती है। परिवारवादी राजनीति से भी देश का बहुत नुकसान होता है। पीएम मोदी ने कहा कि आज भी उनका हर फैसला वोट बैंक की पॉलिटिक्स के हिसाब से ही होता है। ये फैसला अगर देशहित के खिलाफ हो, तो भी ये नेता उस फैसले को लेने में जरा भी नहीं हिचकते। उनकों देश की नहीं वोट बैंक की चिंता रहती है। एक समय था जब इन नेताओं ने वोटबैंक पॉलिटिक्स को, तुष्टिकरण को बढ़ावा दिया, उसे खाद-पानी दिया। आज वोट बैंक की इसी पॉलिटिक्स ने, तुष्टिकरण की इसी राजनीति ने इन नेताओं को अपना बंधक बना लिया है। अब वोट बैंक की पॉलिटिक्स ही उनकी मजबूरी बन गयी है। पीएम मोदी ने कहा कि देश को आजादी मिलने के बाद से कांग्रेस में दिक्कत आना शुरू हुई जब एक ही परिवार ने पार्टी पर कब्जा शुरू कर दिया। पूरे देश में बहुत सारी पार्टियां कांग्रेस को देखकर ये सीख गईं और पूरे लोकतंत्र को दीमक की तरह बहुत बड़ा नुकसान कर दिया। उन्होंने कहा कि यहां यूपी में भी घोर परिवारवादियों ने कांग्रेस कल्चर को ही खुद में पूरा का पूरा उतार लिया है और उसी रंग में रंग गए हैं।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने उज्जैन में 11 सड़कों का किया शिलान्यास

उज्जैन। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने 5722 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली 11 सड़कों का शिलान्यास किया। इनमें आगर रोड स्थित मकोड़िया आम चौराहे पर उज्जैन-देवास, उज्जैन-गरोठ, उज्जैन-बदनावर फोरलेन, उज्जैन-झालावाड़ और जीरापुर-सुसनेर टूलेन सड़क शामिल है। इसके पहले केंद्रीय मंत्री गडकरी और सीएम शिवराज सिंह ने महाकाल मंदिर में दर्शन और पूजन किया

उत्तर प्रदेश में अब बाहुबली नहीं बजरंगबली दिखते हैं

बहराइच में बोले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

बहराइच। केंद्र व प्रदेश सरकार की उपलब्धियों को केंद्रित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गौरव वर्मा को भारी मतों से जिताने की अपील की। कैसरगंज के देवलखा के निकट भाजपा प्रत्याशी गौरव वर्मा के पक्ष में आयोजित जनसभा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि योगी आदित्यनाथ दोबारा मुख्यमंत्री बनेंगे तो उत्तर प्रदेश सुरक्षित रहेगा। योगी सरकार ने माफियाओं पर नकेल कस दी है। आजम, मुख्तार, व अतीक जैसे तुर्रम खा जेल में है।

उन्होंने कहा कि अगर अखिलेश सरकार में आ गए तो ये सब जेल से बाहर आ जाएंगे और प्रदेश से कानून राज समाप्त हो जाएगा। उन्होंने योगी सरकार की तारीफ करते हुए कहा कि योगी ने ऐसा शासन चलाया कि कहीं बाहुबली नहीं दिखाई देते बल्कि हर जगह बजरंगबली ही दिखाई देते हैं। केंद्रीय गृह मंत्री ने अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए कहा कि यह नाम के समाजवादी हैं उन उन्हें अपने परिवार के लोग ही दिखाई पड़ते हैं।जब वह सरकार में थे तो इनके घर के 45 लोग सत्ता में थे। अखिलेश ने कहा था कि धारा 370 हटी तो देश में खून की नदियां बहेगी।

लेकिन मोदी जी के सुशासन में एक पत्थर फेंकने की किसी की हिम्मत नहीं हुई। उन्होंने कहा कि भारत की सेना व भारत की सीमा पर कोई आंख उठा कर नहीं देख सकता।

बिहार में जेडीयू नेता की हत्या के पहले का प्रताड़ना वीडियो वायरल; सियासत गरमाई, तेजस्वी ने उठाए सवाल

पटना। बिहार के समस्तीपुर में जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) नेता खलील आलम रिजवी (34 वर्ष) की हत्या के मामले में नए तथ्य सामने आए हैं। अब एक वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें हत्या के शिकार जेडीयू नेता को बीफ खाने को लेकर प्रताड़ित करते दिखाया गया है। हालांकि, पुलिस इस वीडियो को सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने की साजिश मान रही है। पुलिस के अनुसार पड़ताल जारी है। अभी तक उपलब्ध जानकारी के अनुसार मामला फिरौती के लिए अपहरण व हत्या का है। इस बीच घटना को लेकर राजनीति भी गरमाती दिख रही है। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने वायरल वीडियो को ट्वीट कर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार पर हमला किया है।

बीते शुक्रवार की देर रात पुलिस ने समस्तीपुर स्थित मुसरीघरारी थाना क्षेत्र के बरबट्टा पंचायत अंतर्गत हुरहिया गांव निवासी जेडीयू नेता खलील आलम रिजवी का अधजला शव कल्याणपुर थाना क्षेत्र के वासुदेवपुर गांव में बूढ़ी गंडक नदी के किनारे बरामद किया था।

कविता

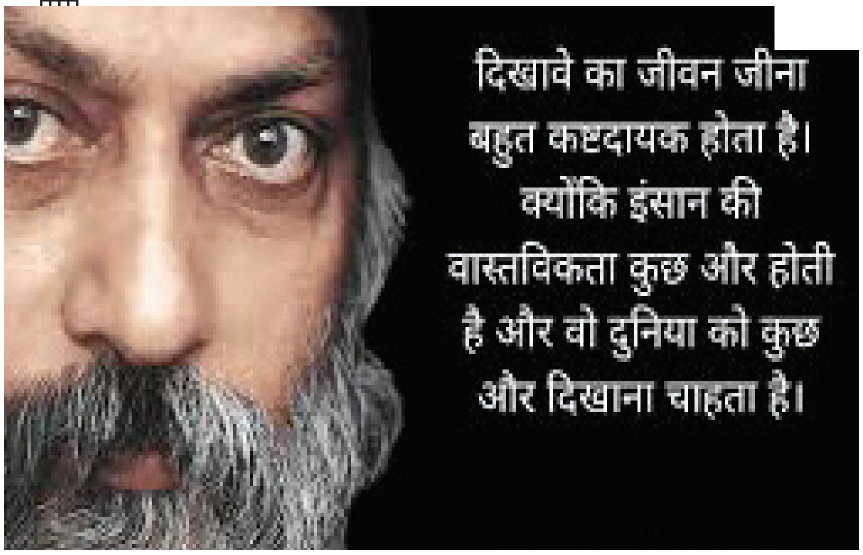

कहै कबीर दीवाना-ओशो

और दोनों में से तब तक आश्वस्त कोई भी नहीं होता, जब तक उसे पक्का भरोसा न आ जाए कि दूसरे को झुका लिया गया है। खतरा यह है, कि अगर दूसरा सच में ही झुक जाए, तो दूसरा वस्तु जैसा हो जाता है। उसमें से व्यक्ति खो जाता है। इसलिए अगर पत्नी तुमसे बिलकुल समर्पण कर दे, तो उसमें तुम्हारा रस चला जाएगा। इसलिए तो पत्नियों में रस चला जाता है। अगर पत्नी बिलकुल ही झुक जाए, सच में ही झुक जाए जैसा तुम चाहते थे, तो वह वस्तु बन जाती है। इसलिए हिंदुओं ने कहा कि पत्नी संपत्ति है। झुका लिया होगा उन्होंने। जिन्होंने यह लिखा है, उनका अनुभव होगा, कि पत्नी अगर झुक जाए, तो संपत्ति हो जाए। तब यह गाय, बैल की तरह है। बांधो, जो करना है, करो। आज्ञा दो, वह मानती है। और जब मर जाए, तब तुम दूसरी पत्नी ले आओ। परिपूरक हो सकता है, उसका स्थान भरा जा सकता है। वह कार हो गई, मकान हो गई, लेकिन स्त्री न रही। उसका व्यक्तित्व चला गया। **जारी......**

प्रेगनेंसी में कटहल खाना चाहिए या नहीं? एक्सपर्ट से जानें इसके फायदे और नुकसान

प्रेगनेंसी के दौरान डाइट का विशेष ख्याल रखना चाहिए। प्रेगनेंसी यानी गर्भावस्था के दौरान महिला का शरीर कई तरह के परिवर्तनों से गुजरता है ऐसे में शरीर को हेल्दी रखने के लिए स्वस्थ और संतुलित खानपान की जरूरत होती है। गर्भवती महिला को चिकित्सक भी पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों का सेवन करने की सलाह देते हैं। प्रेगनेंसी के दौरान महिला के गर्भ में पल रहे शिशु की अच्छी सेहत के लिए भी खानपान का विशेष ध्यान रखना चाहिए। कई बार प्रेगनेंसी के दौरान महिलाएं कुछ ऐसी चीजों का सेवन कर लेती हैं जिसकी वजह से उनके तमाम परेशानियों का सामना करना पड़ता है। गर्भावस्था के दौरान क्या खाना सुरक्षित है इस बारे में हर महिला को जानकारी जरूर होनी चाहिए। प्रेगनेंसी में कटहल खाना चाहिए या नहीं? इसको लेकर अलग-अलग लोगों की अलग-अलग राय है। चूंकि कटहल का सेवन सब्जी और उसके पके हुए फल के रूप में भी किया जाता है इसलिए अक्सर इसको लेकर लोगों के मन में कंफ्यूजन रहती है। आइये एक्सपर्ट से जानते हैं प्रेगनेंसी में कटहल खाना चाहिए या नहीं? प्रेगनेंसी में महिलाओं को अपनी डाइट में पौष्टिक और स्वस्थ खाद्य पदार्थों को शामिल करना

चाहिए। क्योंकि इस दौरान शरीर का सही पोषण आपको और गर्भ में पल रहे शिशु को हेल्दी रखने का काम करता है। प्रेगनेंसी के दौरान सही डाइट का पालन करना थोड़ा चुनौती भरा हो सकता है।

सिर्फ शर्ट पहन घर से निकलीं मलाइका अरोड़ा बुरी तरह हुई ट्रोल

बॉलीवुड की आइटम क्वीन मलाइका अरोड़ा अपने किलर लुक्स और जबरदस्त फैशन सेंस के कारण भी काफी पॉपुलर हैं। बॉयफ्रेंड अर्जुन कपूर संग डेट नाइट हो या फिर गर्लगैंग संग ब्रंच पार्टी मलाइका हर बार अपनी स्टाइल और सिजलिंग ड्रेस को लेकर सुर्खियों में आ ही जातीं हैं। इसी बीच एक्ट्रेस का एक लेटेस्ट लुक सामने आया है। कुछ हटकर करने के चक्कर में एक्ट्रेस घर से सिर्फ शर्ट पहनकर ही निकल पड़ीं हैं, और अब ट्रोल्स का शिकार हो गईं हैं। यहां देखें वीडियो...

पैपराजी अकाउंट पर शेयर एक लेटेस्ट वीडियो में मलाइका अरोड़ा अपनी बिल्डिंग से निकलती हुईं देखी जा सकती हैं। इस दौरान उन्होंने व्हाइट कलर की ओवर साइज शर्ट के साथ बेज कलर का हाफ स्वेटर को पेयर किया है। इस शर्ट को उन्होंने ड्रेस की तरह कैरी किया है। इसके साथ उन्होंने पीच न्यूड कलर के बूट्स संग अपने लुक को कंप्लीट किया है। मेकअप और हेयर की बात करें तो मलाइका इस दौरान नो मेकअप के साथ हेयर बन में नजर आईं, उनके हाथ में एक स्लिंग बैग भी है। मलाइका का ये फैशन गोल सोशल मीडिया पर ज्यादातर लोगों के पल्ले नहीं पड़ रहा, वो उन्हें लगातार ट्रोल कर रहे हैं। कुछ ही मिनटों में वीडियो वायरल हो गया और लोगों के रिएक्शन भी आने लग गए। कमेंट सेक्शन पर नजर डालें तो लोगों ने मलाइका को बुरी तरह से ट्रोल करना शुरू कर दिया है। एक यूजर ने लिखा, ये बोरा कहां से उठा लाई, तो वहीं एक उन्य ने पूछा- पैंट पहनना भूल गई क्या? तो किसी ने लगे हाथ पूछ लिया गर्मी आ गई क्या। वहीं एक और यूजर को यूक्रेन और रूस युद्ध याद आ गया और उसने पूछा- यूक्रेन से आई है क्या फ्लाइट लेकर?

आइपीएल में मुंबई के लिए डेब्यू करने वाले इस खिलाड़ी की चाहत सीएसके के खिलाफ मैच खेलना

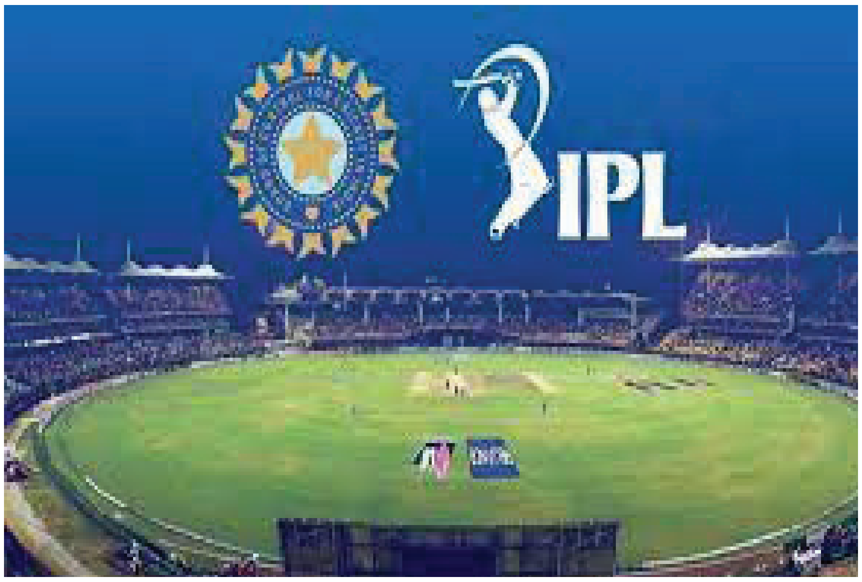

मुंबई। क्रिकेट के सबसे लोकप्रिय लीग में से एक आइपीएल में खेलने का सपना हर खिलाड़ी का होता है। मुंबई इंडियंस की ओर से पहली बार आइपीएल खेलने वाले तिलक वर्मा का भी सपना इस बार मुंबई ने उन्हें 1.7 करोड़ में खरीद कर पूरा कर दिया है।तिलक ने कहा कि वो सचिन औ रोहित शर्मा को खेलते हुए देखकर बडे हुए हैं। मुंबई के लिए खेलना उनके लिए किसी सपने के पूरा होने जैसा है। तिलक वर्मा का बेस प्राइस केवल 20 लाख रुपए था। मेगा आक्शन के दूसरे दिन तिलक को खरीदने के लिए मुंबई और हैदराबाद ने बोली लगाई थी जिसे आखिरकार मुंबई ने खरीदा थातिलक ने कहा कि वो आइपीएल में डेब्यू करने के लिए बेहद उत्साहित हैं। तिलक मुंबई के लिए तो खेलना चाहते ही हैं लेकिन सीएसके के खिलाफ खेलना उनकी प्राथमिकता है। उनके अनुसार ये दोनों टीमें विपरित परिस्थितियों में भी मैच जीतना जानती है। उनका मानना है कि सीएसके के खिलाफ खेलना उन्हें कांफिडेंस देगा।मुंबई इंडियंस की फाइटबैक करने की आदत तिलक को हमेशा से प्रेरणा देती है। उनके अनुसार एक टीम के रूप में जो मुंबई इंडियंस करती है वो सभी के लिए सीखने वाली बात है।

मुंबई के अलावा तिलक सीएसके के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी और रविंद्र जडेजा के बहुत बड़े फैन हैं।तिलक वर्मा के टी20 करियर की बात करें तो उन्होंने अब तक 15 मैचों 143.8 की स्ट्राइक रेट से 381 रन बनाए हैं। 2018-19 में हैदराबाद के लिए रणजी ट्राफी में डेब्यू करने वाले इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने 2 मैचों में 33.5 की औसत से 134 रन बनाए हैं।

तिलक का मुंबई के लिए इस बार चुना जाना इसलिए भी अच्छा है क्योंकि इस बार हार्दिक पांड्या और क्विंटन डीकाक की अनुपस्थिति में मुंबई ने युवा खिलाड़ियों को शामिल किया है। इससे संकेत ये भी मिलता है कि उन्हें खेलने का भी मौका मिलेगा।

आखिरी मैच में जीत के साथ मिताली राज ने रचा इतिहास, बनीं ऐसा करने वाली पहली कप्तान

नई दिल्ली। महिला क्रिकेट टीम ने जान डेविस ओवल क्वींसटाउन में खेले गए आखिरी वनडे मैच में न्यूजीलैंड को 6 विकेट से हरा दिया है। इस मैच में न्यूजीलैंड की टीम ने टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 9 विकेट खोकर 251 रन बनाए थे जिसे भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने 4 ओवर पहले ही केवल 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया। भारत की तरफ से मैच में स्मृति मंधाना ने सर्वाधिक 71 जबकि हरमनप्रीत कौर ने 63 और कप्तान मिताली राज ने नाबाद 57 रनों की पारी खेली। इस जीत के साथ ही भारतीय महिला टीम ने न्यूजीलैंड दौरे पर अपनी पहली जीत दर्ज कर ली है। 5 मैचों की इस सीरीज को न्यूजीलैंड की टीम पहले ही अपने नाम कर चुकी थी और भारत के सामने क्लीन स्विप से बचने की चुनौती थी इस मैच में नाबाद 57 रनों की पारी खेलने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान मिताली राज ने एक अनोखा रिकार्ड अपने नाम कर लिया है। मिताली कप्तान के तौर पर 50वीं बार 50 या इससे ज्यादा रन बनाने वाली पहली महिला बल्लेबाज बन गई हैं इस सूची में दूसरे नंबर पर इंग्लैंड की पूर्व कप्तान चार्लोट एडवर्ड्स हैं जिन्होंने 33 बार ये कारनामा किया है।

रोहित शर्मा को ईशान किशन के साथ पारी की शुरुआत क्यों नहीं करनी चाहिए, वसीम जाफर ने बताया कारण

नई दिल्लीः श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज के पहले मुकाबले से पहले पूर्व भारतीय ओपनर बल्लेबाज वसीम जाफर ने भारतीय कप्तान रोहित शर्मा से कहा कि इस सीरीज में उन्हें ईशान किशन के साथ पारी की शुरूआत नहीं करनी चाहिए। वसीम जाफर का मानना है कि रोहित शर्मा को श्रीलंका के खिलाफ पारी का आगाज रितुराज गायकवाड़ के साथ करनी चाहिए। वसीम जाफर ने ईएसपीएन क्रिकइंफो से बात करते हुए कहा कि श्रीलंका के खिलाफ रोहित शर्मा और रितुराज गायकवाड़ को पारी की शुरूआत करनी चाहिए क्योंकि वेस्टइंडीज के खिलाफ रोहित शर्मा ईशान किशन के साथ ज्यादा सफल नहीं रहे थे। उन्होंने कहा कि वेस्टइंडीज के खिलाफ ईशान किशन के प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा था और ऐसी स्थिति में रितुराज को या तो तीनों मैचों में मौका दें या फिर कम से कम दो मैचों में उनसे ओपनिंग करवानी चाहिए। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि रोहित शर्मा को कम से कम एक या दो मैचों में ओपनिंग जरूर करनी चाहिए।

हाल ही में संपन्न हुए वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज के पहले दो मैचों में रोहित शर्मा और ईशान किशन ने ओपनिंग की थी जबकि तीसरे मैच में ईशान व रितुराज गायकवाड़ को ओपनिंग करने का मौका दिया गया था। ईशान किशन ने तीन मैचों में 71 रन बनाए थे तो वहीं रितुराज गायकवाड़ ने एक मैच में चार रन बनाकर आउट हो गए थे।

रोहित की कप्तानी में भारतीय बल्लेबाजों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी क्योंकि ये टीम कई स्टार खिलाड़ियों के बगैर ही मैदान पर उतरेगी। आपको बता दें कि श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज के पहले सूर्यकुमार यादव और दीपक चाहर चोटिल हो गए थे और वो टीम से बाहर हो गए थे।

समीर वानखेड़े पहुंचे बाम्बे हाइकोर्ट, FIR रद करने की अपील

मुंबईः महाराष्ट्र आबकारी विभाग की शिकायत पर ठाणे पुलिस ने सोमवार को मुंबई नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के पूर्व क्षेत्रीय निदेशक समीर वानखेड़े को कथित जालसाजी मामले में तलब किया। ठाणे पुलिस ने कहा, उन्हें 23 फरवरी (बुधवार) को प्रासंगिक दस्तावेजों के साथ अपना बयान दर्ज कराने के लिए पुलिस स्टेशन आना होगा। इस बीच, वानखेड़े ने कथित धोखाधड़ी वाले बार लाइसेंस के खिलाफ ठाणे पुलिस द्वारा प्राथमिकी रद करने की मांग करते हुए बाम्बे हाईकोर्ट का रुख किया है। कोर्ट ने मामले की सुनवाई 22 फरवरी को तय की है।उन्होंने बाम्बे हाई कोर्ट में ठाणे कलेक्टर द्वारा रद बार लाइसेंस की बहाली के लिए एक और याचिका दायर की है। कोपरी पुलिस ने रविवार को कहा कि वानखेड़े के खिलाफ मुंबई के ठाणे में कथित तौर पर अपनी उम्र के बारे में जानबूझकर गलत तरीके से एक होटल के लिए लाइसेंस प्राप्त करने के लिए जालसाजी के लिए प्राथमिकी दर्ज की गई थी। राज्य के आबकारी विभाग के अधिकारी शंकर गोगावले की शिकायत के बाद कार्रवाई की गई थी, जिन्होंने आरोप लगाया था कि वानखेड़े की उम्र 1996-97 में शहर में सद्गुरु बार के लिए लाइसेंस प्राप्त करते समय 18 वर्ष से कम थी।

12वीं बोर्ड परीक्षा के प्रश्न पत्र लेकर जा रहे ट्रक में लगी आग, पेपर जलकर खाक

पुणे : महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले में 12वीं कक्षा (एचएससी) की महाराष्ट्र बोर्ड परीक्षा के विभिन्न विषयों के प्रश्नपत्रों को ले जा रहे ट्रक में बुधवार सुबह आग लग जाने से सभी प्रश्न पत्र जलकर खाक हो गए। अधिकारियों ने बताया कि महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (एमएसबीएसएचएसई) के पुणे प्रभाग के प्रश्न पत्रों को मध्य प्रदेश से महाराष्ट्र लाया जा रहा था, तभी ट्रक में आग लग गई। बोर्ड के अध्यक्ष शरद गोसावी ने कहा, ह्वअहमदनगर जिले के संगमनेर घाट के पास 12वीं कक्षा के प्रश्न पत्र सेट ले जा रहे एक ट्रक में अचानक आग लग गई। आग लगने के कारण विभिन्न विषयों के प्रश्न पत्र वाली पेटियां नष्ट हो गईं और सड़क पर बिखर गईं। उन्होंने कहा, प्रारंभिक सूचना के अनुसार, जब ट्रक चल रहा था, तभी उसमें से धुआं निकलने लगा। चालक और उसमें सवार अन्य लोग ट्रक से कूद गए। जल्द ही ट्रक में आग लग गई और प्रश्न पत्र जल गए। पाटिल ने बताया कि आग के बारे में सूचना मिलने पर पुलिस और दमकल कर्मी घटनास्थल पर पहुंचे और आग पर काबू पा लिया गया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक संपादक – मुर्तुजा मामाजीवाला के द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, युनिट नं. 4, ग्राउंड फ्लोअर, एन. के इंडस्ट्रिअल इस्टेट , ऑफ आरे रोड , प्रवासी इंडस्ट्रिअल इस्टेट के पास , गेट नं. 2, गोरेगाव (पूर्व),मुंबई - 400063 से मुद्रित कर शिव वातुक सेना कासिम नगर नियर लक्ष्मी इस्टेट न्यू लिंक रोड, अंधेरी (प),मुंबई -400053 प्रकाशित। संपादक: मुर्तुजा मामाजीवाला मों. 9819199997
■ T.C. NO. MAHHIN10172 ■ ईमेल: newsicon2021@gmail.com ■ newsicon.net